කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව
UNIVERSITY OF KELANIYA – SRI LANKA

දුරස්ථ සහ අබාණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි ප්‍රථම වර්ෂ පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2020 පෙබරවාරි
2015 අධ්‍යයන වර්ෂය (නව නිර්දේශය)

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී HIND E 1025

අර්ථාවබෝධය හා ප්‍රකාශන ශක්‍යතාව

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාවඃ 05 කාලයඃ පැය 03

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

01. निम्नलिखित शीर्षकों में से किसी <u>एक</u> पर लगभग <u>डेढ़ पृष्ठों</u> का निबंध हिंदी में लिखिए। (20 अंक)

(क) दुनिया में जल की उपयोगिता
(ख) हिंदी मेरा सबसे प्रिय विषय है
(ग) मेरा प्रिय व्यक्ति

02. (i) निम्नलिखित गद्यांश अथवा पद्यांश का **सिंहली में** अनुवाद कीजिए। (10 अंक)

(क) ग्वालपुर छोटा–सा गाँव है। गाँव के पास ही नदी बहती है। नदी के किनारे बड़ा–सा बरगद का पेड़ है। इस गाँव में रग्धू की ननिहाल है। कुछ दिन पहले रग्धू शहर से यहाँ आया है। एक दिन रग्धू बरगद के नीचे आकर खड़ा हो गया। उसने इधर–उधर अपने मित्र 'भोला' को खोजा। भोला कहीं दिखाई न पड़ा। तभी उसके सिर पर कागज़ का एक गोला गिरा। रग्धू ने गोले को उठाया, उसे खोला और पढ़ा।

ननिहाल – ආච්චි අම්මලාගේ ගෙදර
बरगद – නුග
कागज़ का गोला – කඩදාසි ගුලියක්

अथवा

(ख) झर–झर, झर–झर झरता झरना।
आलस कभी न करता झरना।।

थककर कभी न सोता झरना।
प्यास सभी की हरता झरना।।

गीत प्रेम के गाता झरना।
अपनी खुशी लुटाता झरना।।

नदियों का बचपन है झरना।
धरती की धड़कन है झरना।।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों का **हिंदी में** अनुवाद कीजिए। (10 अंक)

(क) ඔහුත් ඔහුගේ සහෝදරයාත් නගරයේ පිහිටි එකම කාර්යාලයක සේවය කරති.

(ख) මේ පිරිමි ළමයාගේ සහෝදරිය සහ මගේ සහෝදරයාගේ දියණිය යෙහෙළියෝ වෙති.

(ग) අර ගැහැණු ළමයාට හින්දියෙන් කතා කළ හැකිය.

(घ) අප හෙට උදෑසනම එහි යා යුතුය.

(ङ) අපේ ගෙදර ළඟ ගෙදර ජීවත්වෙන මිනිස්සු සෑම දිනකම උදෑසන පත්සල් යති.

03. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के उत्तर अपनी हिंदी में लिखिए। (20 अंक)

किसी जंगल में बरगद का एक बहुत बड़ा छायादार पेड़ था। उस पेड़ के नीचे चींटियों ने अपना बिल बना रखा था। दिन भर चींटियाँ चारे–दाने की खोज में दूर–दूर तक भटकती रहतीं और शाम को बिल में वापस आकर आराम करतीं। यही उनका रोज़ नियम था। किंतु प्रतिदिन कुछ चींटियाँ बिल और उसमें रखे अण्डों की रखवाली के लिए बिल में ही रह जातीं।

एक दिन काफी रात बीतने तक चींटियाँ वापस बिल में नहीं लौटीं तो चौकीदार चींटियों को बड़ी चिंता हुई। अतः कुछ चौकीदार चींटियाँ अन्य चींटियों की खोज के लिए बाहर निकलने लगीं। लेकिन यह क्या! चौकीदार चींटियाँ अभी बिल से थोड़ी दूर ही आयी थीं, कि उन्हें आगे के रास्ता बंद नज़र आया था। वे अब और ज़्यादा चिंतित और परेशान हो उठीं। लेकिन चींटियों के अब तक न लौट पाने का कारण भी उनकी समझ में आ गया। वे निराश होकर अपने अड्डे पर वापस लौट आयीं।

थोड़ी देर बाद बाहर गयी चींटियों का दल एक दूसरे रास्ते से अड्डे पर पहुँच गया। चौकीदार चींटियों ने राहत की साँस ली। लेकिन इस बात से वे अब भी परेशान थीं कि वह कौन–सा दुश्मन है जो उनके बिलों को बुरी तरह तहस–नहस करने में तुला हुआ है।

बहर से आयी चींटियों ने चौकीदार चींटियों को ढाढस बँधाते हुए कहा कि यह किसी मोटे पैर वाले जानवर की शरारत है। हमें इसका पता लगाना ही होगा। अगले दिन चौकीदार चींटियों में से कुछेक

चींटियाँ बरगद के पेड़ के आस–पास ही घूमती रहीं। ठीक दोपहर के समय जब गर्मी पूरे ज़ोरों पर थी, एक बड़ा जंगली हाथी झूमता हुआ आया और पेड़ के नीचे आकर पसर गया।

I. चींटियों ने अपना बिल कहाँ बना रखा है?।

II. चींटियाँ दिन–भर किस कारण दूर–दूर तक भटकती रहती हैं?

III. कुछ चींटियाँ प्रतिदिन बिल में क्यों रह जातीं ?

IV. चौकीदार चींटियों को बड़ी चिंता क्यों हुई?

V. अगले दिन ठीक दोपहर के समय कौन आया?

04. निम्नलिखित पद्यांशों में से **किसी एक** का भावार्थ लिखिए। (20 अंक)

(क) वह आता
दो टूक कलेजे के करता पछताता
पथ पर आता,
पेट–पीठ दोनों मिलकर हैं एक,
चल रहा लकुटिया टेक,
मुट्ठी भर दाने को भूख मिटाने को
दो टूक कलेजे के करता
पछताता पथ पर आता।

साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाये,
बाएँ से मलते हुए पेट को चलते
और दाहिना दया–दृष्टि पाने की ओर बढ़ाये
भूख से सूख ओठ जब जाते
दाता भाग्य विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसुओं को पीकर रह जाते!

(ख) खड़ा द्वार पर लाठी टेके
वह जीवन बूढ़ा पंजर
चिमटी उसकी सिकुड़ी चमढ़ी
हिलते हड्डी के ढाँचे पर।

उसका लंबा डील–डौल है,
हट्टी–कट्टी काठी चौड़ी,
इस खंडहर में बिजली–सी,
उन्मत्त जवानी होगी दौड़ी।

गर्मी के दिन, धरे उपरनी सिर,
लुंगी से ढाँपे तन,
नंगी देह भरी बालों से
वनमानुस–सा लगता वह जन।

भूखा है, पैसे पा, कुछ गुन–गुन,
खड़ा हो जाता वह घर,
पिछले पैरों के बल उठ
जैसे कोई चल रहा जानवर।

05. पुराने दो मित्रों की मुलाकात बहुत समय के बाद रास्ते पर होती है। उन दोनों के बीच में होनेवाले वार्तालाप का निर्माण कीजिए। (20 अंक)

****